

रजिस्टर्ड नं० एल० 33-एस० एम० 13-14/98.

— हिमाचल प्रदेश

— लीक्री अर्वा



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, मंगलवार, 30 जून, 1998/9 आषाढ़, 1920

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग  
(विधायी एवं राजभाषा खण्ड)

अधिसूचना

शिमला-2, 30 जून, 1998

संख्या-एल० एल० आर० (राजभाषा) बी (16) 22/98.—“दि हिमाचल पैसेंजर एण्ड गुडज टैक्सेशन (अमैन्डमेन्ट) ऐक्ट 1969 (1969 का 23)” को राजभाषा (हिन्दी) अनुवाद को हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल

के तारीख 23 जून, 1998 के प्राधिकार के अधीन एतद्द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है और यह हिमाचल प्रदेश राजभाषा (प्रत्युपकर उपबन्ध) अधिनियम, 1981 (1981 का 12) की धारा 3 के अधीन उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा ।

आदेश द्वारा, 4

हस्ताक्षरित/-  
सचिव (विधि) ।

## हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1969

(1969 का 23)

(24 जून, 1969 को राष्ट्रपति द्वारा अनुमत)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का संशोधन करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के बीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1969 है। संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (जिसे इसमें इसका पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 (1) के स्थान पर निम्नलिखित धारा रखी जाएगी, अर्थात् :— धारा 3 (1) का प्रति-स्थापन।

“3. कर का उद्ग्रहण.—(1) मोटर गाड़ियों द्वारा वहन किए गए सभी यात्रियों और परिवहन किए गए सामान के बारे में सभी किरायों और भाड़ों पर, यथा-स्थिति, किराए या भाड़े के मूल्य के 1/6 भाग से अनधिक ऐसी दरों पर जो सरकार अधिसूचना द्वारा निर्देशित करे और किसी एक मामले में न्यूनतम दो पैसे के अध्वधीन कर की रकम की संगणना निकटतम पैसा तक करते हुए, कर उद्ग्रहीत, प्रभारित तथा राज्य सरकार को संदत्त किया जाएगा।

स्पष्टीकरण.—जब मोटर गाड़ियों द्वारा यात्रियों का वहन और सामान का परिवहन किया जाता है और कोई भी किराया या भाड़ा प्रभारित नहीं किया गया है तो कर इस प्रकार उद्ग्रहीत और संदत्त किया जाएगा मानो ऐसे यात्रियों का वहन और सामान का परिवहन उस मार्ग पर प्रचलित सामान्य दर पर किया गया हो।”

3. मूल अधिनियम की धारा 14-क की उप-धारा (2) में “आबकारी और करधान अधिकारी” शब्दों के पश्चात् “या सहायक आबकारी और करधान अधिकारी” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे। धारा 14-क की उप-धारा (2) का संशोधन।